के लिए काम दिलाऊ कार्यालयों में नामांकन के लिए भूतपूर्व सैनिकों को तृतीय प्राथमिकता दी जाती है ; पहली प्राथमिकता वाले अर्थात छांटी किए गए अथवा आर्थिक यूनिट की सिफारिशों पर फालतू घोषित किए गए केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी, और द्वितीय प्राथमिकता के अर्थात उत्तर-पश्चिम सीमा प्रान्त, सिंध और बलोचिस्तान सरकारों के विस्थापित कर्मचारी अब लगभग अलभ्य हैं । इसलिए कार्यरूप से तृतीय प्राथमिकता इस समय सब से उच्च प्राथमिकता है, और इसका भूतपूर्व सैनिक छांटी किए गए असैनिक कर्मचारियों समेत (जो आर्थिक यूनिट की सिफारिशों से अन्यथा छांटी किए हैं) और सेविवर्ग की कई अन्य निम्न श्रेणियों के साथ लाभ उठा रहे हैं । तृतीय प्राथमिकता में भी भूतपूर्व सैनिकों को कई विशिष्ट कामों के लिए, जैसे कि वाच एण्ड वार्ड इत्यादि में विशेष प्राथमिकता दी जाती है । जिन में सैनिक अनुभव वाञ्छनीय अर्हता होती है । भूतपूर्व सैनिकों को अपनी सेवा से विमुक्ति से 6 मास पहले अपनी पसन्द के कामदिलाऊ कार्यालय में नाम रजिस्टर करने की भी अनुमति दी जाती है । 1-7-66 से तृतीय श्रेणी के 10 प्रतिशत और चतुर्थ श्रेणी के 20 प्रतिशत स्थायी रिक्त स्थान सर्वप्रथम 2 वर्ष के लिए भूतपूर्व सैनिकों के लिए सुरक्षित रखे जाते हैं । राज्य सरकारों को भी कहा गया है कि अपने विभागों में वह भी वैसे सुरक्षण रखें ।

राज्यों के लिये रेडियो सेटों का नियतन

25. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्री रामचन्द्र उलाका :
श्री भुलेश्वर मीणा :
श्री हीरजी भाई :
श्री स० प्रधानी :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विभिन्न राज्यों को 31 मार्च, 1967 तक कितने रेडियो सेट दिये गये और उनकी कीमत क्या है और वे रेडियो सेट किस आधार पर दिये गये ;

(ख) ये रेडियो सेट किस उद्देश्य से दिये गये हैं ; और

(ग) इनमें से कितने रेडियो सेट इस समय ठीक हालत में चल रहे हैं और जो खराब हो गये हैं उनकी मरम्मत के लिये क्या व्यवस्था की गई है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) पंचायत रेडियो योजना के अन्तर्गत 31 मार्च, 1967 तक विभिन्न राज्यों को 1,19,425 रेडियो सेट दिए गए । इस अवधि में 5,122 रेडियो सेट केन्द्र प्रशासित क्षेत्रों को दिये गये ।

पिछले 12 वर्षों में पंचायती रेडियो सेटों का मूल्य, जिसमें लाउडस्पीकर, एरियल तथा बैटरियां भी शामिल हैं, 250 रुपये से लेकर 400 रुपये तक रहा है । वर्तमान मूल्य इस प्रकार है : —

1. बिजली चालित	344.00 प्रति
2. वाल्व वाले, बेटरी चालित	332.00 प्रति
3. ट्रान्जिस्टर	412.00 प्रति

प्रत्येक राज्य/केन्द्र प्रशासित क्षेत्र की जरूरतें हर वर्ष मालूम कर ली जाती हैं और धन की उपलब्धि के अनुसार रेडियो सेटों को इस हिसाब से बंटवारा किया जाता है कि प्रत्येक राज्य में कितने गांव ऐसे हैं, जिनमें अभी रेडियो सेट लगाना है ।

(ख) आयोजित प्रचार योजना के अन्तर्गत गांव में लगाने के लिए पंचायती रेडियो सेट बांटे जाते हैं ।

(ग) प्रत्येक राज्य/केन्द्र प्रशासित क्षेत्रों में चालू हालत में रेडियों सेटों की कितनी संख्या है यह सूचना एकत्रित की जा रही है और शीघ्र ही सदन की मेज पर रख दी जायगी।

रेडियो सेटों की देख भाल की जिम्मेदारी राज्य सरकारों/केन्द्रीय प्रशासित क्षेत्रों की है और उन्होंने इसके लिये अपने देखभाल करने वाले संगठन स्थापित किए हैं।

अक्तूबर, 1964 का भारत-श्रीलंका करार

* 26. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्रीमती तारकेश्वरी सिन्हा :
श्री अब्राहम :
श्री देवकी नन्दन पटोदिया :
श्री रा० बरुआ :
श्री च० चु० देसाई :

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार को किस हद तक अब तक क्रियान्वित किया गया है ;

(ख) उसकी क्रियान्विति में यदि कोई कठिनाइयां अनुभव की जा रही हैं तो वे क्या हैं; और

(ग) क्या यह सच है कि मद्रास सरकार ने हाल ही में इस करार पर पुनर्विचार किये जाने की प्रार्थना की है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री मु० क० चागला) : (क) श्रीलंका और भारत दोनों के प्रतिनिधियों की एक सम्मिलित समिति ने श्रीलंका/भारत की नागरिकता देने के लिए प्राथमिक शासन सम्बन्धी प्रबन्ध पूरे कर लिए हैं। करार पर अमल करने के लिए श्रीलंका की तरफ से वहां का कानून अब श्रीलंका की संसद् के सामने है। यह कानून बन जाने के बाद, भारत/श्रीलंका की नागरिकता के लिए अर्जियां मांगने के बारे में नोटिस जारी कर दिये जायेंगे।

(ख) इस करार पर अमल करने में अब तक कोई विशेष कठिनाइयां महसूस नहीं हुई हैं ।

(ग) जी नहीं ।

बिहार राज्य में मगही भाषा के लिये आकाशवाणी केन्द्र

27. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार राज्य में मगही भाषा के क्षेत्र के लिए एक पृथक आकाशवाणी केन्द्र स्थापित करने के प्रश्न पर विचार किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो यह केन्द्र कब और किस स्थान पर स्थापित किया जायेगा ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) जी नहीं ।

(ख) सवाल नहीं उठता ।

(ग) बिहार राज्य में मगही बोली के क्षेत्र में आकाशवाणी के वर्तमान पटना केन्द्र से प्रसारित कार्यक्रम अच्छी तरह सुने जाते हैं ।

ट्रांसमिटरों का आयात

28. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्री देवकी नन्दन पटोदिया :
श्री रा० बरुआ :
श्री च० चु० देसाई :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वे शक्तिशाली ट्रांसमिटर जिनका आयात विदेशों से किया जाना था, भारत में आ चुके हैं ;

(ख) यदि हां, तो उन्हें किस तारीख को और कहां स्थापित किया जायेगा ; और